प्रारूप – 6

प्रारम्भिक संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट का प्रारूप

आज दिनांक 02-12-19 को उ० पेयजल निगम (एजेन्सी का नाम) के द्वारा .... से .... तक बनाये जाने वाले मार्ग/प्रस्तावित परियोजना को बनाये जाने हेतु स्थल निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग की ओर से श्री जवाहर सिंह चौहान (वन बीट अधि०) राजस्व विभाग की ओर से श्री एस० एस० तोमर प्रस्तावक विभाग की ओर से श्री विनोद कुमार अ०अभि० अन्य दावेदारों की ओर से श्री सियाराम चौहान तथा स्थानीय प्रतिनिधि के रूप में श्री .... के द्वारा प्रश्नगत परियोजना को बनाने हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थल/समरेखन के चयन तथा अन्य वैकल्पिक स्थलों/समरेखनों के चयन हेतु भाग लिया गया।

संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि सामाजिक आवश्यकता, परिस्थितिक आवश्यकता, आर्थिक मितव्यता तथा तकनीकी आवश्यकता के दृष्टि से जो समरेखन/स्थल सर्वथा उपयुक्त पाया गया है, उसमें — (मी0) वन पंचायत से , 1500.00 (मी0) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखन/स्थल के चयन में कुल .... — (हे0) नाप भूमि — (हे0) सिविल भूमि — (हे0) वन पंचायत भूमि 0.067 (हे0) आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी, जिनमें से कुल 0.067 (हे0) भूमि के हस्तांतरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर चुने गये स्थल पर लगभग .... वृक्ष .... प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें से शून्य .... बीज प्रजाति के प्रभावित होंगे।

इस समरेखण की तुलना में जो वैकल्पिक समरेखन देखे गये उसमें — (मी0) नाम भूमि से — (मी0) सिविल भूमि से .... (मी0) वन पंचायत से — (मी0) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल .... — (हे0) नाप भूमि — (हे0) सिविल भूमि — (हे0) वन पंचायत भूमि — (हे0) आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी, जिनमें से कुल 0.067 (हे0) भूमि के हस्तांतरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर चुने गये स्थल पर लगभग .... वृक्ष .... प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें से शून्य .... बीज प्रजाति के प्रभावित होंगे।

अतः परियोजना के निर्माण हेतु चयनित विकल्प संख्या प्रथम के वन भूमि के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक एवं उपयुक्त भूमि उपलब्ध नही है, तथा इस चुने गये वन भूमि की मांग न्यूनतम है।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखन आरक्षित वन कक्ष सं.14 कक्षों से गुजरेगा/में स्थित है, इन कक्षों की वर्तमान वन आच्छादन .... है, एवं इन कक्षों में — प्रजाति के वन है। प्रभावित होने वाली नाप भूमि — पर — प्रजाति के वन है, एवं प्रभावित होने वाली सिविल तथा नाप भूमि पर — प्रजाति के वन है, जिनका वर्तमान वन आच्छादन .... है। चुने गये समरेखन का प्रारम्भ होने के स्थल का जी0पी0एस0 मान 77°56'8.81"E 30°50'24"N तथा यह स्थल .... से प्रारम्भ होता है, तथा समरेखण का अन्तिम स्थल 77°55'44.68"E 30°50'43.44"N है, जिसका जी0पी0एस0 मान 77°55'24.9"E 30°50'48.81"N है। चुने गये समरेखन/स्थल के बीच के स्थलों के जी0पी0एस0 मान .... है।

चयनित समरेखण में कुल .... पौधों को अन्य स्थानान्तरित (translocate) किया जाना आवश्यक होगा।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखन किसी राश्ट्रीय पार्क/वन्य जीव अभ्यारहण्य का हिस्सा है/नही है।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखन के चयन से ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन होगा/नही होगा।

इस समरेखन पर पेयजल यो० के निर्माण के दौरान जो मलवा उत्सर्जित होगा, उसके निस्तारण हेतु .... स्थल उपयुक्त पाये गये है, जिनका जी0पी0एस0 मान — है।

अन्य आवश्यक विवरण ....

अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, विकासनगर, देहरादून न0-1 हस्ताक्षर (प्रस्तावक एजेंसी) प्रतिनिधि	(जवाहर सिंह चौहान) वन बीट अधि० लटो हस्ताक्षर (वन विभाग) प्रतिनिधि	हस्ताक्षर (राजस्व विभाग) प्रतिनिधि एस० एस० तोमर राजस्व उप निरीक्षक	जोगेन्द्र सिंह हस्ताक्षर (अन्य दावेदार) प्रतिनिधि	हस्ताक्षर (जन प्रतिनिधि) प्रतिनिधि

नोट – इस रिपोर्ट पर भूवैज्ञानिक की राय भी प्रस्ताव बनाने से पूर्व में ही प्राप्त कर ली जाये।

वन क्षेत्राधिकारी चकराता रेंज

10/01/2020 तहसीलदार

उप जिलाधिकारी

Scanned with CamScanner